लगातार बढ़ रही है कार कंपनियों से जंग रोधी वारंटी की मांग

लगातार बढ़ रही है कार कंपनियों से जंग रोधी वारंटी की मांग प्रो. ए.एस. खन्ना, सतह इंजीनियरिंग और सामग्री विज्ञान के विश्व स्तर पर प्रसिद्ध विशेषज्ञ, प्रतिष्ठित आईआईटी बॉम्बे में 27 वर्षों तक सेवा करते रहे, 27 पीएचडी छात्रों और 150 से अधिक मास्टर और बी.टेक परियोजनाओं का मार्गदर्शन किया। उनका अभूतपूर्व शोध, जिसमें 350 से अधिक प्रकाशन और 4,500 से अधिक उद्धरण शामिल हैं, कार्बनिक पेंट कोटिंग्स, नैनो टेक्नोलॉजी और ग्रेफीन निर्माण तक फैला हुआ है। वह कोटिंग्स और जंग पर तीन प्रामाणिक पुस्तकों के लेखक हैं। वर्तमान में, एसएसपीसी इंडिया के अध्यक्ष के रूप में, वह सतह इंजीनियरिंग में नवाचार को आगे बढ़ाते हैं। प्रो. खन्ना के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मान उनके स्थायी वैश्विक प्रभाव और नेतृत्व को रेखांकित करते हैं।)प्रोफेसर आनंद एस. खन्ना, रिटायर्ड, आईआईटी बॉम्बे - धातुकर्म इंजीनियरिंग विभाग, अध्यक्ष एसएसपीसी इंडिया ने बताया इन्फोमेरिक्स की रिपोर्ट के अनुसार, जैसे-जैसे भारत दुनिया में चैथा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल विनिर्माण बाजार बन रहा है, वाहन उत्पादन में सस्टेनेबल और सुरक्षित सामग्रियों की मांग बढ़ रही है। अच्छे प्रदर्शन, स्थिरता और ईंधन दक्षता प्राप्त करने के लिए यह महत्वपूर्ण हो गया है। लगभग 80 प्रतिशत वाहन निकाय स्टील से बने होते हैं, जो जंग के लिए अतिसंवेदनशील होते हैं, जिससे वाहन की मजबूती में गिरावट आती है। जिंक, दुनिया की चैथी सबसे अधिक खपत वाली धातु है, जो ऑटोमोटिव क्षेत्र में कई लाभ प्रदान करती है, मुख्य रूप से जिंक गैल्वनाइजेशन के माध्यम से भारत के बढ़ते मध्यम वर्ग की बढ़ती आकांक्षाओं के साथ, वाहन निर्माताओं पर स्थानीय उपभोक्ता की जरूरतों को पूरा करते हुए वैश्विक मानकों को पूरा करने वाले वाहन बनाने का दबाव बढ़ रहा है। जागरूक उपभोक्ता अब जंग-मुक्त वारंटी वाले वाहनों की तलाश कर रहे हैं। जिस हेतु, कार निर्माता ग्राहकों की मांग और अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क के अनुसार अधिक जिंक-गैल्वनाइज्ड बॉडी पार्ट्स को शामिल कर रहे हैं।